प्रारम्भिक संबोधन

माननीय सदस्यगण,

नये वर्ष में सप्तदश बिहार विधान सभा के पंचम सत्र के शुभारंभ पर मैं आप सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ ।

कुल बाईस कार्य दिवसों का यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण है । इसमें राज्यपाल महोदय का अभिभाषण होगा, अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर विमर्श होगा, वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक के व्यवस्थापन के अलावा अन्य वित्तीय कार्य, राजकीय विधेयक एवं गैर सरकारी संकल्प लिये जाएंगे । मुझे उम्मीद है कि इस सत्र में ढेर सारे लोक-महत्व के प्रश्न उठाए जाएंगे और राज्य के विकास तथा जन-समस्याओं के निवारण के लिए आप सभी माननीय सदस्यगण बढ़-चढ़कर अपना योगदान करेंगे ।

विगत 17 फरवरी, 2022 को बिहार विधान सभा भवन शताब्दी वर्ष एवं विधान सभा के स्थापना दिवस के अवसर पर एक प्रबोधन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया । तत्परता और संवेदनशीलता के साथ आपकी जबर्दस्त सहभागिता के लिए मैं आप सबको धन्यवाद देता हूँ । आशा करता हूँ कि माननीय लोकसभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला जी, राज्यसभा के माननीय उप-सभापति, श्री हरिवंश जी, हमारे मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी, माननीय केन्द्रीय मंत्रिगण, वरिष्ठ सांसदों तथा अन्य रिसोर्स पर्सन्स के सारगर्भित व्याख्यानों तथा उद्‌बोधनों से आप निश्चित रूप से लाभान्वित हुए होंगे। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों को किए जाने के लिए हमें प्रोत्साहित किया है ।

Contd....2..

मुझे पूरा विश्वास है कि सबके सार्थक सहयोग से बिहार विधान सभा की ओर से ऐसे गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम समय-समय पर होते रहेंगे । मैं अपनी और सदन के सभी माननीय सदस्यों की तरफ से मीडिया के मित्रों को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने पूरी सदाशयता से इस कार्यक्रम की महत्ता को लोगों तक पहुँचाया ।

इसके अलावा सभा सचिवालय द्वारा आप सभी माननीय सदस्यों के निजी सचिवों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में भी जो उत्साह और भागीदारी देखने को मिली उससे मैं अभिभूत हूँ । मैं आशा करता हूँ कि इस कार्यक्रम का भी सकारात्मक असर सदन के कार्यों की गुणवत्ता पर होगा। मैंने संसदीय प्रणाली को समसामयिक, जनोन्मुखी और उत्पादक बनाने का पूरा प्रयास किया है, जिसमें आपका सहयोग निस्संदेह प्रशंसनीय रहा है ।

संसदीय लोकतंत्र में विधायी निकाय जन अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है । यह विमर्श का ऐसा केन्द्र है, जहाँ वाद-विवाद और संवाद के जरिये समस्याओं के समाधान की राहें तलाशी जाती हैं । जनता की पैनी निगाहें अनवरत हमारी निगाहबानी कर रही हैं । अतः यह हमारा व्यक्तिगत और सामूहिक कर्त्तव्य है कि सत्र के दौरान मिले सीमित समय का सार्थक सदुपयोग हो । लोकतंत्र के इस पावन मंदिर की मर्यादा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए हमें जन अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करना है । मुझे यह बताते हुए बेहद प्रसन्नता हो रही है कि बिहार विधान सभा के अपने डिजिटल चैनल 'बिहार विधानसभा TV' के माध्यम से सदन की कार्यवाही का सीधा प्रसारण देश और दुनिया तक हो

Contd....3..

रहा है । सुदूरवर्त्ती ग्रामीण इलाकों में बैठी जनता भी अब अपने विधायकों से रूबरू हो सकेंगी । अतः हम सबका प्रयास होना चाहिए कि इस महान सदन की प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाली तस्वीर दुनिया के सामने जाए । अंत में मैं इतना ही कहूँगा कि -

'सब तीर्थों का एक तीर्थ यह
हृदय पवित्र बना लें हम
आओ शत्रुहीन बन
सबको मित्र बना लें हम
रेखाएँ प्रस्तुत हैं, अपने
मन के चित्र बना लें हम
सौ-सौ आदर्शों को लेकर
एक चरित्र बना लें हम" ।

मुझे पूरा विश्वास है कि लोकतंत्र के सजग प्रहरी, समाज और विधान के ज्ञाता के रूप में, विधि और शुचिता के दायरे में रहते हुए आप इस सदन को लोकहित का प्रतिबिम्ब और शासन-प्रशासन का दिशा-निर्देश करने वाली संस्था के रूप में दुनिया के सामने ले जाएंगे ।

❁❁❁❁❁